लडकियों की चुदाई

पिछले महीने की बात है. मेरे मोहल्ले मे बहुत रिच फ़ेमिली रहने के लिये आई. उनकी बेटी ज़रीना को मैं पसन्द करने लगा था और शायद वो भी. उफ़्फ़ क्या लडकी है, क्या फ़िगर है उसकी ३४–२६–३६. उसके फ़िगर को देख किसी के भी मुंह मे पानी आ जाये. मैं तो उसकी इस फ़िगर का दीवाना हू ं. हम दोनो की पहले आपस मे थोडी जान–पहचान हुई. फ़िर धीरे धीरे यह जान–पहचान बढती गई. आपस मे थोडा बहुत हंसी मज़ाक चलता था. आपस की यह हंसी मज़ाक हमारे प्यार मे बदल गई. लेकिन ५–१० मिनट की रोज की मुलाकात के अलावा हम आपस मे ज्यादा नही मिल पाये थे. मौका ही नही मिला. हमारे दोनो के बीच आग लगी हुई थी. इसलिये मुलाकात का मौका ढू ंढने लगे हुये थे.

ज़रीना की कजिन, जिसे हम लोग हिना के नाम से पुकारते थे, हमारी राजदार थी. हिना भी ज़रीना की हम–उम्र और बहुत ही खूबसूरत है. ज़रीना और हिना आपस मे कोई बात छुपाती नही थी. इस वजह से हिना को मेरा राज (ज़रीना से प्यार का) मालूम चल गया.

एक दिन मैं कालेज से घर आया तो ज़रीना मेरे घर मे आई हुई थी. मेरे अन्दर आते ही उसने मेरी मां से बात करना छोड कर मुझसे कहा, "रोशन, मुझे आपसे कुछ काम है. क्या कर देन्गे."

मेरे से वो इस प्रकार पेश आ रही थी ताकि मेरी मां को हमारे प्यार का राज नही मालूम पडे.

मैने भी हमारे प्यार को राज रखते हुये भोला बन कर कहा, "अगर करने लायक हुआ तो ज़रूर कर दू ंगा."

ज़रीना ने कहा, "मेरा कंप्यूटर खराब हो गया है. क्या आप ठीक कर देन्गे."
मैने कहा, "क्यों नही. अगर ज्यादा खराब नही हुआ तो जरूर कर दू ंगा."
उसने मुस्कुरा कर कहा, "ठीक है. प्लीज आप ८.०० बजे के करीब आ जायें."
मैं ठीक ८.०० बजे उसके घर पहुंच गया. उसके मम्मी, पापा और उसकी छोटी बहन और भाई कहीं बाहर शादी पर जा रहे थे.
ज़रीना के पापा ने मुझे देखते ही कहा, "बेटा ज़रीना का कंप्यूटर ठीक कर देना. वो और उसकी कजिन अन्दर तुम्हारा इन्तज़ार कर रहे हैं. हमारे आने तक उनके पास रहना."
मैने कहा, "ओ के अंकल."
इसके साथ ही वो लोग घर से शादी अटैन्ड करने निकल गये. मैं अन्दर गया और ज़रीना को आवाज दी. वो आवाज सुनते ही बाहर आ गई. मुझे देखकर वो मुस्कुराई और भागकर मेरे सीने से लग गई.
मैने कहा, "यह क्या कर रही हो? अभी मम्मी–पापा वापस आ सकते हैं."
तो ज़रीना ने कहा, "मुझे पता नही क्या हो जाता है तुम्हे देखकर."
उसके भारी भारी बूब्स "बिग मेलन्स" मुझसे लग रहे थे. मुझे उसके बडे बूब्स के स्पर्श का काफ़ी मज़ा आ रहा था. मुझसे लिपटी हुई ज़रीना मुझे अपने कंप्यूटर वाले रूम मे ले गई. वहां उसकी कजिन हिना पहले से ही मौजूद थी. हिना को पहले कई बार देख चुका था लेकिन आज उसको देखकर मुझमे एक भयन्कर आग लग गई. वो इतनी खूबसूरत लग रही थी कि ज़रीना के साथ–

साथ दिल चाह रहा था कि उसे भी अपनी बाहों मे भर लूं. सुन्दर सुडौल छाती और फ़िगर. ३६– २८–३८. उपर से उसने बडे गले वाली टाईट टी–शर्ट पहनी हुई थी. मैं लगातार उसके मम्मे देख रहा था.

ज़रीना और हिना ने मेरी नजरों की सनसनाहट और बढती भूख को महसूस कर लिया.

मैने तुरन्त नजरें झुका ली.

मैने ज़रीना से कहा, "कहां है कंप्यूटर?"

ज़रीना ने पलट कर जवाब दिया, "हिना के मम्मे से नजरें हटाओ तो इधर पडा कंप्यूटर भी शायद नज़र आ जाता!"

उसका जवाब सुनकर मेरे होश उड गये. मेरे चेहरे पर बौखलाहट को देखकर दोनो ने हंसना शुरु कर दिया.

मुझे कंप्यूटर पर बैठा कर वो दोनो बाहर दू सरे रूम मे चली गई.

मैने कंप्यूटर देखना शुरु किया. कंप्यूटर आराम से बूट हो गया. वो बिल्कुल ठीक था. मैं समझ गया कि ज़रीना ने बहाना बनाकर मुझे अपने घर मे बुलाया है. उसकी इस समझदारी का लोहा मैं मान गया. लेकिन मेरे दिमाग मे एक सवाल लगातार गून्ज रहा था कि उसने हिना को आखिर यहां क्यों बुलाकर रखा है. मिलना हम दोनो को था तो हिना आखिर यहां क्या कर रही है. जितना सोचता उतना ही दिमाग परेशान हो रहा था. आखिर इसका जवाब मिल गया.

जवाब मिला १० मिनट बाद जब वो दोनो वापस रूम मे आई.

जब वापस आई तो उफ़्फ़ मैं मर जाऊं. दोनो शोर्ट नाईटी पहन कर वापस आई. आह क्या जलवा था दोनो की उफ़नती जवानी का.

दोनो ने नाईटी के नीचे कोई ब्रा नही पहन रखी थी. बगैर ब्रा के ट्रांस्परेन्ट नाईटी से उनके मम्मे शेल की तरह बाहर आने को तडप

रहे थे. यह देख कर मैं तो पत्थर की मूर्ती की तरह खडा खडा उनको देखता ही रहा. मेरे पूरे बदन मे लहू ` जोर–जोर से दौडने लगा. मेरा लंड लोहे की तरह कडा हो गया. मेरा लंड अंडर्वीयर को फ़ाड कर मेरी पेन्ट की चैन से बाहर आने को उतावला हो रहा था. अपने बढते हुये उभार को छिपाने की कोई जगह नही बची.
फ़िर भी मैने भोले बनते हुये उस समय पूछा, "कंप्यूटर तो बिल्कुल ठीक है."
ज़रीना मेरे पास आते हुये अपनी गरम सान्सो को मेरे चेहरे पर छोडती हुई धीमी आवाज मे बोली, "कंप्यूटर तो ठीक ही था. लेकिन हम दोनो का सेट–अप बिगडा हुआ है. हम दोनो को ठीक कर दो ना प्लीज....."
ज़रीना जहां मेरे पास आकर मुझसे यह कह रही थी वंही हिना ने मेरे बालों पर हाथ फेरते हुये मेरे गालों को सहलाना शुरु कर दिया. हिना की उंगलियां मेरे शेव्ड चेहरे पर धीरे–धीरे रेन्गाने लगी. अपनी पतली उंगलियों से मेरे कान, मेरी गर्दन को सहला रही थी. वंही ज़रीना मेरे चेहरे से चिपकाते हुये अपनी जीभ से चाटने लगी. दोनो जलिम जवानियां मेरे चेहरे से खिलवाड कर रही थी. उन दोनो की गरम सांसो को मैं एकदम नजदीक से महसूस कर रहा था. दोनो की सांसे भारी हो चली थी.
उनकी इन हर्कतो से मैं अब अपने काबु मे नही रहा. अपना हाथ मैने हिना की नाईटी के अन्दर डाल उसके मम्मे टटोलने लगा. उफ़्फ़ क्या मम्मे थे उसके. बडे साईज के मम्मे कई बार कपडे के बाहर से अच्छे लगते हैं लेकिन बगैर कपडों के इतने सुन्दर नही लगते लेकिन हिना के मम्मे कपडों के बाहर जितने सुन्दर थे उस से कई गुना ज्यादा सुन्दर इस समय नाईटी से झलकते हुये

लग रहे थे. मेरा दिल तो उन्हे बगैर कपडों के देखने के लिये बैचैन हो रहा था.
ज़रीना ने अपने होंठों से मेरे होंठों को चूमना चालू कर दिया. उसके मदमस्त भीगे हुये होंठ मेरे होंठो को जोर जोर से दबा रहे थे. अपनी जीभ को मेरे मुंह के अन्दर डाल कर मेरी जीभ के साथ "हाकी" खेलने लगी. मेरे हाथ हिना के मम्मे और उसकी चूचीयों को दबा और मसल रहे थे. तभी ज़रीना ने मेरी कपडे उतारने शुरु कर दिये.
मेरी शर्ट उतार कर मेरी चेस्ट के बालों को चाटने लगी और खीन्चने लगी. मेरे से लिपट कर मछली की तरह मचलाने लगी. इतने मे हिना ने मेरी पेन्ट भी उतार दी. अब मैं सिर्फ़ अंडर्वीयर मे था.
ज़रीना मेरी चाटी, मेरे गाल और मेरे होंठों से खेल रही थी वंही हिना मेरे अंडर्वीयर के उपर से ही मेरे लंड को चाटने लगी. मेरा लंड "कुतुब मीनार" की तरह अंडर्वीयर के अन्दर खडा था. अपनी जीभ से हिना मेरे चीकू को चाट रही थी तो कभी उनको अपने मुंह मे गप्प से दबा लेती. मैं अपने होश मे था. दिल कर रहा था की अपना अंडर्वीयर निकाल फेन्कु और हिना के मुंह मे अपना लंड पेल दू ं. लेकिन दोनो ज़रीना और हिना इतना कुछ कर रही थी आग भडकाने के लिये कि मैने सिर्फ़ इसका आनन्द उठाना ही मुनासिब समझा. मैं अपनी तरफ़ से कोई हर्कत नही कर रहा था. सिर्फ़ उनकी उफ़नती जवानी को देख रहा था और उनका मेरे बदन के साथ खिलवाड को देख रहा था. इतने मे भी मेरे होश अपनी जगह पर नही थे.

अब ज़रीना अपने कपडे उतारने लगी. अपनी नाईटी को उतार कर फेन्क दिया. उसके मम्मे बडे मगर सख्त थे. एकदम उपर की और तने हुये. लेकिन जब मेरी नज़र उसके मम्मे से उसकी कमर पर से होते हुये नीचे की और गई मैं कांप उठा. मैं तो ज़रीना की चूत देख कर पागल हो गया. वाकई मे उसने अपनी चूत को काफ़ी सम्भाल कर बडे जतन से रख कर सफ़ाचट करके रखा था. गोरी–गोरी मक्खन सी मुलायाम उसकी चूत पर एक भी बाल नही था. इतनी देर की हर्कतो से हल्का सा रस उसकी चूत से बाहर निकल रहा था.

उसकी चूत देखकर मुझसे अब रहा नही गया. मैं जमीन पर लेट कर ज़रीना की चूत को अपनी नाक की गरम सांसो से और गरम करने लगा. उसकी चूत की गुलाबी रन्गत मेरी गरम सांसो से और गुलाबी हो गई. मेरी चाहत बढाने लगी और मैने अपनी जीभ निकाल कर उसकी चूत के मुंह को छोडकर बाकी जगह को चाटने लगा. मेरा इरादा ज़रीन को ज्यादा से ज्यादा भडकाने का था. मैं सीधे उसकी चूत को जानबूझकर टच नही कर रहा था. ज़रीना के मुंह से सिस्कारियां निकलने लगी. वंही हिना भी लेट कर मेरे अंडर्वीयर के उपर से ही मेरे लंड को जोर–जोर से चाट रही थी. शायद उसका इरादा भी मेरी तरह ही था.

ज़रीन मेरी इस तरह की हर्कात से एक दम बैचैन हो उठी. उसकी बैचैनी ने उसे हिला कर रख दिया और मेरे बाल को पकडते हुये बोली, "प्लीज. चाटो न मेरी चूत को क्यों तडपा रहे हो मुझे..... अपनी जीभ को मेरी चूत मे डालो....."

मैं उसकी तडप को समझ कर उसके जिस्म की आग को और भडकाने मे लगा था.

मैंने फ़िर भी उसकी चूत को टच नही किया. अपनी जीभ से उसकी जांघो को चाट रहा था. उसकी चूत के उपर झांटो को साफ़ की हुई जगह को चाट रहा था. वहां चमडी एकदम कोमल थी. उसने झांटे थोडी देर पहले ही साफ़ की थी ऐसा लग रहा था. यानि उन दोनो ने अपने घर वालों के बाहर जाने का प्रोग्राम मालूम होते ही तैयारी शुरु कर दी थी. तभी पहले मेरे घर पर आकर मुझे शाम को बुलाना और फ़िर शाम को अपनी झांटे साफ़ करना.
अब हिना ने आगे बढा कर मेरा अंडर्वीयर उतारना चाहा. लेकिन ज़रीना, जो मेरी हर्कतो से पागल हुई थी, ने कहा, "एक मिनट रुको."
वो बाहर गई और कैंची ले कर आई और मेरे अंडर्वीयर को काट काट कर चीथडेचीथडे कर दिया. मेरा लंड अंडर्वीयर की कैद से छू ट कर फ़डफ़ाडाने लगा. ज़रीना ने मेरा लंड थाम लिया. मेरा लंड देखकर दोनो के चेहरे की चमक बढा गई. उनके दिमाग मे मेरे लंड के बारे मे जो विचार था उससे बढकर उसको पाया. ऐसा मैं उनके चेहरे की चमक देख कर बोल रहा हू ं. ज़रीना की चूत को मैने अभी तक सीधे अपनी जीभ से टच नही किया था लेकिन ज़रीना ने मेरा लंड सीधे अपने मुंह मे डाल लिया. मेरे मुंह से "अह्ह्ह" निकल गई. उसकी गरम और उसके थूक से भीगी जीभ कयामत ढा रही थी मेरे लंड को चूसते हुये.
ज़रीना ने अपनी जीभ से मेरे लंड को चूस–चूस कर ऐसा उतावला कर दिया की मुझे लगा की मेरा वीर्य पिच्कारी मार कर अभी उछलकर बाहर निकलने वाला है. मैने जबरन अपने लंड को उसके मुंह से निकाला और कहा, "मेरी जानेमन. जरा सब्र करो. नही तो अभी मजा किरकिरा हो जायेगा."

ज़रीना समझ गई की मेरा लंड छू टने वाला है. उसने मेरे लंड को हाथ से पकडकर उसे पुचकार कर कहा, "अरे. अभी क्यों पानी निकाल रहा है, ज़लिम. अभी तो शो शुरु ही हुआ है."
यह सुनकर हम सब हन्स पडे. अब हिना अपने मम्मे मेरे सीने से लगाकर रगडने लगी. उसके अन्गूर जैसे निप्पल मेरे सीने पर हल्के– हल्के चुभ रहे थे. अपने मम्मे रगडते हुये उसके मुंह से सिस्कारी निकल रही थी. मेरे लंड को आरम देने के लिये ज़रीना ने अपना मुंह हिना की जांघों मे डाल दिया और अपनी जीभ निकाल कर उसकी जांघों और चूत पर लगानी शुरु कर दी. हिना तडप उठी इस हर्कत से. वो मुझे नीचे धक्का देकर मेरे सीने पर लेट कर अपने मम्मे का बोझ मेरे गालों पर डाल कर अपनी दोनो जांघों को फैला दिया. जिससे हिना को और जगह मिल गई और उसकी चूत को आरम से चाट रही थी.
हिना के मम्मे मेरी आन्खों के सामने किसी फलदार पेड के एकदम ताज़े फ़्रूट की तरह लहरा रहे थे. जरूरत थी किसी माली की जो इनको सम्भालकर इनका रस पी सके और मैं वो माली बन कर उनको बारी बारी से चूसने लगा. हिना अपनी चूत और मम्मे की चुसाई से उत्तेजित हो कर जोर–जोर से चिल्लाने लगी, "उफ़्फ़ मार डाला तुम दोनो ने हाय हाय चूसो मेरी चूत को उफ़्फ़्फ़ तुम भी मेरे मम्मे को चाटो. वाह क्या मज़ा आ रहा है मेरे निप्पल्स को मुंह मे लेकर दान्तो से चुभाओ. उफ़्फ़्फ़. क्या करू मैं. बडा मज़ा आ रहा है. "
हिना की बातें मुझे दीवाना बना रही थी. मैने उसके मम्मे और उसके निप्पल को हल्के–हल्के अपने दान्तो से काट रहा था. जोर ज़रा भी नही लगा रहा था. ज़रीना भी अपनी जीभ से उसकी चूत

के दाने को रगड रही थी. हिना इतने जोरदार मज़े की वज़ह से अपने बदन को बार–बार झटका दे रही थी. मैने उसके एक मम्मे को अपने हाथ से मसलने लगा और दू सरे मम्मे को अपने होंठों के बीच दबाकर जोर– जोर से चूस रहा था.
तभी लगने लगा की अब हिना ज्यादा देर टिकने वाली नही है. उसकी चूत का पानी अब छू टने वाला ही है. क्योंकी जिस तरीके के वो चिल्ला रही थी उससे लगने लगा कि उसकी चूत अब अपना फ़व्वारा छोडने वाली ही है, "ऊओफ़्फ़्फ़्फ़्फ़ अहह्ह्ह्ह्ह्ह. मैं मर गईइइइइइइइइ. मैं मर जाऊन्गी. जोर से चूसो ऊऊओफ़्फ़्फ़्फ़्फ़. चूसो. चूसो ज़ोर से. चूसो हरामजादे चूसो मुझे.आआआआह्ह्ह. ऊऊऊफ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़ क्या कर रहे हो. मैं छू टने वाली हू ....."
और उस के साथ ही उसकी चूत पानी छोडने लगी. पानी छोडते–छोडते उसका पूरा बदन थर्रा उठा. हिना का शायद यह सबसे बडा क्लाईमेक्स था. वो जोर–जोर से सान्से ले रही थी. उसका पूरा बदन कांप रहा था. मैने उसके मम्मे को अपने मुंह से निकाल दिया और अपनी बाहों को उसकी कमर पर लपेटे हुये उसके होंठों को अपने होंठों से लगा लिया और देने लगा उसको फ़्रेन्च किस. उधर ज़रीना ने उसकी चूत को छोड कर मेरे लंड को अपने मुंह मे ले लिया. मेरा लंड उसके मुंह मे उछल कूद मचाने लगा. अब उसने हिना को उठने का इशरा किया. जैसे ही हिना मेरे उपर से उठी वैसे ही ज़रीना अपनी जांघों को चौडा कर अपनी चूत को मेरे लंड से रगडने लगी. अब वो मेरे लंड के उपर अपनी चूत की सवारी करने की तैयारी कर रही थी. उसकी चूत का मुंह मेरे लंड के सुपाडे को अपने अन्दर समाने के लिये बैचैन था.

ज़रीना ने झटके से अपनी चूत के अन्दर मेरे लंड को अपने मे समा लिया. मेरा आधा लंड उसकी जूसी चूत मे चला गया. अब वापस थोडा उपर उठते हुये उसने दू सरा बडा झटका दिया तो उसकी चूत मेरे पूरे लंड को खा गई. "उउउउइइइइइइ" मेरे लंड के अन्दर जाते ही उसके मुंह से प्यार भरी चीख निकाल पडी. उसे इतने बडे लंड के अन्दर जाने से शायद थोडा दर्द हुआ होगा लेकिन ८–१० धक्कों के बाद उसे अपनी चूत चुदवाने मे मज़ा आने लगा. अब वो बडे आराम से अपनी चूत को चुदवा रही थी या कहू ं की मेरे लंड को अपनी चूत से चोद रही थी.
हिना इतनी देर मे वापस गरम हो चुकी थी. लेकिन उसकी चूत को शायद ५–१० मिनट के आराम की जरूरत थी इसलिये उसने साईड मे बैठकर ज़रीना और मेरी चुदाई को देखना बेहतर समझा. ज़रीना अपने चूतड को उछलना बन्द कर अपनी चूत के दाने को मेरी झांटो से रगडते हुये चुदवा रही थी. चूत–के दाने की रगडाई मे उसको ज्यादा मज़ा आ रहा था. तभी हिना उठी और अपनी चूत मेरे मुंह पर रख कर चुसवाने लगी. साथ ही वो ज़रीना के मम्मे से अपने मम्मे रगडने लगी और अपने होंठों को उसके होंठों से किस करने लगी. अब हालत इस प्रकार थी की मैं नीचे चित्त लेटा हुआ हिना की चूत को चूस रहा था और मेरे लंड पर बैठी ज़रीना अपनी चूत को चुदवा रही थी जबकि हिना अपने मम्मे ज़रीना के मम्मे से और अपने होंठ से उसके होंठ को किस कर रही थी.
ज़रीना की चूत अब जूस से एकदम भीग चली थी. अपने होंठों को उसने हिना के मुंह से आजाद किया. उसे अब जो मज़ा आ रहा था वो उसकी ज़बान से बाहर निकलने लगा, "रगड मेरे मम्मे साली... बहुत दिनो बाद मुझे चुदाई का मज़ा मिला है..... चोदो मेरे

राजा..... अपने लंड का झटका नीचे से दो मेरी चूत मे. आज खूब चुदवाऊन्गि अपनी चूत को.... हिना..... तूने आज तक अपनी चूत को चटवा कर ही मज़ा लिया है..... आज इसके लंड को अपनी चूत मे डलवाना..... देख क्या मज़ा आता है.... चुदवाने मे. देख कैसा मूसल लंड है इसका..... उफ़्फ़..... क्या मज़ा आ रहा है..... चोद मुझे..... हाय–हाय..... चोदो राजा मुझे.....हिना..... तु भी आज ऐसा ही मज़ा लेना.....'

अब ज़रीना ने हिना के मुंह को थोडा नीचे किया और अपना एक मम्मा उसके मुंह मे दे दिया. हिना उसके दोनो मम्मे को बारी–बारी से चाटने और चूसने लगी. मेरा लंड ज़रीना की चूत मे तूफ़ान ला चुका था. अब जिस तेजी से वो चुदवा रही थी लगने लगा की अब वो भी अपने चरम पर पहुंच चुकी है. अब मेरे लंड को अपनी चूत के बीच जोर से दबा लिया और जोर–जोर से चिल्लाने लगी, "मेरी चूत का पानी निकलने वाला है अब मैं छू टने वाली हू ं....हाय..... मेरा पानी निकला.... निकला..... यह निकला....."

ज़रीना ने अपनी चूत का पानी निकलते ही हिना के चेहरे को उपर उठा कर अपने होंठ उसके होंठ मे दे दिये और उन्हे चूसने लगी. थोडी देर मे वो मेरे उपर से उठ गई.

उसकी चूत की काफ़ी दिनो बाद तम्न्ना पूरी हुई थी.

अब मैने ज्यादा देर न करते हुये हिना को घोडी बनने के लिये कहा. हिना की अब तक केवल चूसी हुई अनचुदी चूत की चुदाई के लिये मेरा लंड उतावला होये जा रहा था.

मैने ज़रीना को कहा, "ज़रीना डार्लिन्ग, हिना पहली बार चुदवा रही है तो थोडा दर्द तो होगा. इसके मुंह का चुम्मा लेते हुये इसके मम्मे को मसलती रहना."

तभी हिना ने कहा, "मैं घोडी बन कर नही रह सकती. मुझे लेटे लेटे ही चोदो."
मैने कहा, "कोई बात नही. सीधी लेट जाओ."
इसके बाद मैने उसकी टांगे उठा कर अपने कन्धों पर रख ली और साथ ही ज़रीना से कहा की जा कर तेल ले कर आओ. वो जल्दि से गई और तेल ले कर आ गई. उसने थोडा तेल मेरे लंड के सुपाडे पर लगाया और थोडा हिना की चूत मे लगाया और उसकी चूत मे अन्गूलि डाल कर थोडा अन्दर की और भी लगा दिया. अब मैने अपना लंड उसकी चूत के मुहाने पर टिका दिया और आहिस्ता आहिस्ता अन्दर करने लगा.
अभी तक उसे दर्द का एहसास नही हुआ था. शायद चुसवाने के कारण. अब मैने अपने चूतड को पीछे किया और एक करारा शोट अपने लंड का उसकी चूत मे दिया. लंड आधा उसकी चूत मे चला गया.
हिना लंड के अन्दर घुसते ही दर्द से चिल्ला पडी, "मुझे छोड दो.... बहुत दर्द हो रहा है..... उफ़्फ़ दर्द हो रहा है.... छोड दो मुझे..... मुझे नही चुदवाना है..... "
मैने ज़रीना को इशारा किया तो वो हिना के मम्मे को चूसने लगी. मैने भी अपनी और से कोई हर्कत नही की. २-३ मिनट मे हिना का दर्द थोडा कम हुआ तो मैने अपने लंड को थोडा सा ही बाहर निकाला और वापस एक जोर दार धक्का दिया. इस वक्त मेरा लंड उसकी चूत मे पूरा का पूरा चला गया. जिससे हिना दर्द से तडप उठी.
ज़रीन चीख उठी, "आह... मा..... उई.....मेरी मां.... मैं मर गई.... उफ़्फ़....."

उसकी आन्खों से पानी निकलने लगा. हिना तडप रही थी. अपने दोनो हाथो से मुझे अपने उपर से धक्का दे कर हटाना चाहा. लेकिन मैं मजबूती से उस पर चढा रहा.
अपने दोनो हाथो से उसके मम्मे को हल्के हल्के मसलता रहा. मैं जानता था की एक बार मैं हट गया तो यह वापस अभी तो कई दिनो तक चुदवायेगी नही. ज़रीना भी अपने होंठों से उसके होंठों को किस करने लगी. जब वापस थोडा दर्द कम होने लगा तो मैने अब हल्के हल्के ५-६ झटके दिये.
हालान्कि दर्द पहले जितना नही हुआ लेकिन दर्द फ़िर भी हो ही रहा था. ज़रीना उसको सम्भाल रही थी. अब मैने हल्का हल्का अपने लंड को हिलाना शुरु किया. फ़िर थोडा सा मैं तेज़ हो गया. अब शायद उसको मज़ा आ रहा था.
ज़रीना उसके मम्मे को चूस रही थी. और मैं उसकी चूत मे कम स्पीड से धक्के दे रहा था. उसकी आन्खे बन्द थी. उसकी चीख बन्द हो चुकी थी. ४-५ मिनट की चुदाई के बाद उसने आन्खे खोली और मेरी तरफ़ देखते हुये बोली, "धीरे धीरे क्या धक्के मार रहे हो.... थोडा जोर जोर से लगाओ.... "
यह सुनकर मेरी बान्छे खिल उठी. अब मैं समझ गया की उसको अब चुदवाने मे मज़ा आने लगा है. मैने अपने धक्को की स्पीड बढानी शुरु कर दी. अब मेरा लंड उसकी चूत को सटा-सट चोदने लगा. रूम मे फचाफच की आवाजे गून्जने लगी. हिना भी उसके एक हाथ को पकड कर अपनी चूत से रगडने लगी. साथ ही अपने मम्मे को अपने हाथ से पकडकर मसल रही थी. दोनो लडकिया सिस्कारियां ले रही थी. पूर रूम सिस्कारीयो की आवाज से गून्ज उठा.

एक और हिना चिल्ला रही थी, "उफ़्फ़... मेरी चूत मे अन्गूलि डाल.. और जोर जोर से अन्गूलि से चोद मुझे. अपने अन्गूठे से मेरा दाना मसल.... चोद मुझे अपनी अन्गूलि से..... उफ़्फ़...."
तो दूसरी और अपनी अन्गूलि की स्पीड बढते हुये ज़रीना मुझसे कह रही थी, "आह.. चोदो मुझे..... मज़ा आ रहा है..... चोदो मुझे..... फ़क मी.... फ़क मी.... जोर जोर से चोदो मुझे..... उफ़ फ़क मी..... फ़क मी..... "
मैने अपने लंड की स्पीड बढा दी. अब मैं अपने हाथ से ज़रीना के मम्मे को मसलने लगा तो ज़रीना अपने हाथ से हिना के मम्मे मसलने लगी. साथ ही हिना अपनी अन्गूलि से ज़रीना की चूत को चोद रही थी.
हिना आनन्द से चीख रही थी, "आ..... फ़क मी.... फ़क मी..... इ लव यू..... चोदो मुझे..... फ़क मी... क्या मज़ा.... हाय.... आह..... उफ़्फ़.... मैं आसमान मैं उड रही हू ं..... फ़क मी... फ़क मी हार्ड..... उफ़्फ़....."
तभी एक जोर दार तूफ़न आया रूम मे. हम तीनो एक–एक करके झडने लगे. पहले ज़रीना का फ़व्वारा छू टा. उसके बाद मेरा और हिना का फ़व्वारा छू टा एक साथ,
"ऊऊऊऊऊफ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़. आआआअह्ह. मज़ा ही मज़ा. आआआअह्ह. ऊओफ़्फ़्फ़्फ़."
मेरे लंड का पानी अन्दर छू टने लगा तो मैने अपना लंड बाहर निकाल कर हिना के पेट पर बाकी का पानी छोडने लगा. क्या धार निकली मेरे लंड की. उफ़्फ़! मज़ा आ गया.
वहां से हम तीनो उठे तो पीछे थे हम तीनो के जूस और हिना की चूत का लहू ं.

इसके बाद ज़रीना और हिना ने मुझे फ़िर से अपने बदन से चिपका लिया और हम लोग १५ मिनट की किसिन्ग के बाद अपने अपने कपडे पहन कर खडे हो गये. तभी ज़रीना ने बताया की हिना ने यह प्लान बनाया था. उसने आज तक किसी से चुदवाया नही था. मेरी दोस्ती तुमसे है ऐसा सोचकर तुम्हे बहाने से यहां बुलाया था. अब मेरे पेरेन्ट्स के आने का वक्त हो गया है. अब तुम निकल जाओ.